# VISION IAS

www.visionias.in

## GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2211)

| | | | |
|---|---|---|---|
| Name of Candidate | Vikas Gupta | | |
| Medium Eng./Hindi | Hindi | Registration Number | 137029 |
| Center | Online | Date | 31/8/2022 |

**INDEX TABLE**

| Q. No. | Maximum Marks | Marks Obtained |
|---|---|---|
| 1 | 10 | |
| 2 | 10 | |
| 3 | 10 | |
| 4 | 10 | |
| 5 | 10 | |
| 6 | 10 | |
| 7 | 10 | |
| 8 | 10 | |
| 9 | 10 | |
| 10 | 10 | |
| 11 | 15 | |
| 12 | 15 | |
| 13 | 15 | |
| 14 | 15 | |
| 15 | 15 | |
| 16 | 15 | |
| 17 | 15 | |
| 18 | 15 | |
| 19 | 15 | |
| 20 | 15 | |

**Total Marks Obtained:**

**Remarks:**

## INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

# EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

**Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:**

**1.**

**2.**

**3.**

**4.**

**5.**

**6.**

**All the Best**

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. The Cholas are inextricably linked with the zenith of Dravidian art and architecture. Comment. (150 words) 10
चोल द्रविड़ कला और स्थापत्य की पराकाष्ठा से अनन्य रूप से संबद्ध हैं। टिप्पणी कीजिए।

चोल साम्राज्य दक्षिण भारत में 9वीं शताब्दी में प्रतिष्ठा प्राप्त व समृद्ध साम्राज्य के रूप में स्थापित हुआ। इसके प्रमुख शासक राजेंद्र चोल व राजराज-चोल थे।

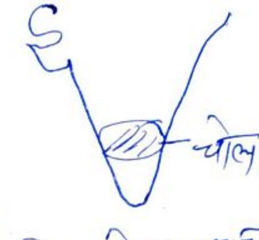

चित्र - चोल साम्राज्य

चोल एवं द्रविड़ कला

* चोल काल की प्रमुख कला मूर्तिकला थी। इसमें मूर्तियों में अत्यंत सजीव चित्रण किया गया। ये मूर्तियाँ काँसे से निर्मित की जाती थी। जिसमें भगवान शिव की नटराज की मूर्ति प्रमुख है।

* इसके साथ ही चोल काल में तमिल साहित्य में भी प्रचुर विकास देखा गया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

चोल एवं द्रविड़ स्थापत्य

चोलकालीन मंदिरों जैसे बृहदेश्वर मंदिर में द्रविड़ स्थापत्य की सभी विशेषताएं प्रदर्शित होती हैं जैसे—

→ मंदिरों में शिखरों की जगह विमान का निर्माण।

→ मंदिर प्रांगण में जलकुंड का निर्माण।

→ मंदिरों में नंदी की प्रतिमा।

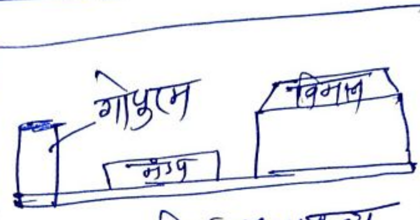


→ बड़े प्रवेशद्वार के रूप में गोपुरम का निर्माण।

→ मंदिरों के विशालकाय क्षेत्र में बनाये जाने के कारण मंदिर स्थल में ही बाजारों का निर्माण।

इस प्रकार चोलों ने द्रविड़ कला व स्थापत्य को समृद्ध किया जिस कारण इन्हें यूनेस्को के विश्व विरासत स्थल में भी जगह मिली

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. Among the major legacies of the Indian freedom movement, civil liberties formed an important one. Analyse. (150 words) 10

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की प्रमुख विरासतों में, नागरिक स्वतंत्रता ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विश्लेषण कीजिए।

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन अंग्रेजों की अत्याचारी व शोषण गतिविधियों के परिणामस्वरूप 1857 ई. के संग्राम के साथ शुरू हुआ। व इसकी परिणीति 1947 में भारत की आजादी के रूप में हुई।

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन व नागरिक स्वतंत्रता

आंदोलन में उदारवादी चरण के दौरान ही नागरिक स्वतंत्रता के मूल्यों को अत्यधिक महत्व दिया गया।

दादाभाई नौरोजी, गोपालकृष्ण गोखले व इंडियन एसोसिएशन (1876) जैसी संस्थाओं ने नागरिक स्वतंत्रता हेतु प्रयत्न किये। जैसे वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट का विरोध।

कांग्रेस व नागरिक स्वतंत्रता

वास्तव में शुरुआत: 1885 में कांग्रेस

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

की स्थापना के साथ नागरिक स्वतंत्रता को अधिक महत्व दिया गया।

उदाहरण

→ 1919 में रोलेट एक्ट पारित होने के विरुद्ध कांग्रेस द्वारा महात्मा गांधी के नेतृत्व में प्रथम अखिल भारतीय आंदोलन का आह्वान।

→ ब्रिटिश सरकार द्वारा पब्लिक सेफ्टी बिल के द्वारा नागरिक अधिकारों के हनन के विरुद्ध विधान परिषद व विधानसभा में विरोध।

→ 1931 के कराची अधिवेशन में मूल-अधिकारों में विचार-अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, संघ की स्वतंत्रता जैसे प्रावधान।

इस परंपरा के अनुरूप ही मूल संविधान में अनु. 19 के माध्यम से स्वतंत्रता को मूल अधिकारों के रूप में स्थापित किया गया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. The Berlin Conference of 1884-85 in many ways set the ground for the scramble in Africa. Elucidate. **(150 words) 10**

1884-85 के बर्लिन सम्मेलन ने विभिन्न प्रकार से अफ्रीका में विभाजन का आधार तैयार किया। स्पष्ट कीजिए।

बर्लिन सम्मेलन (1884-85) यूरोपीय उपनिवेशवादी शक्तियों के मध्य हुआ एक सम्मेलन था। जिसमें सभी शक्तियों ने अफ्रीका के विभिन्न भागों को अपने अपने प्रभाव क्षेत्र में बाँटने व युद्ध से बचने हेतु वार्ता की।

इस सम्मेलन में जिन देशों का विभिन्न क्षेत्रों पर पहले से अधिकार था उन्हें मान्यता दी गई। जैसे अल्जीरिया, मोरक्को पर फ्रांस का अधिकार, मिस्र द. अफ्रीका में ब्रिटेन का अधिकार।

**बर्लिन सम्मेलन व अफ्रीका विभाजन**

कागज में किये गये इस प्रभाव क्षेत्र के बंटवारे ने अफ्रीका में

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अफ्रीका के बंटवारे की नींव रख दी। क्योंकि इन क्षेत्रों में अलग-अलग देशों के प्रभाव स्वरूप अलग-अलग राजनीतिक-सामाजिक विचारों का विकास हुआ।

साथ ही इन क्षेत्रों के लोगों की निष्ठा भी बर्लिन बंटवारे के अनुरूप परिवर्तित हो गई। जिसके कारण यह एक राष्ट्र/राज्य की अवधारणा के रूप में विकसित हुई।

**समस्या**

→ सम्मेलन में कोई भी अफ्रीकी प्रतिनिधि नहीं।
→ बिना सांस्कृतिक समझ के हुए बंटवारे के कारण भविष्य में नृजातीय हिंसा जैसे मध्य अफ्रीकी क्षेत्र व हॉर्न ऑफ अफ्रीका क्षेत्र के राष्ट्रों के मध्य संघर्ष।

इस प्रकार बर्लिन सम्मेलन ने वर्तमान अफ्रीकी राष्ट्रों की सीमाओं का आधार रखा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. What is a cloudburst and what are its effects? Why are they more frequent in the Himalayan region? (150 words) 10

बादल फटना क्या है और इसके क्या प्रभाव हैं? हिमालयी क्षेत्र में इनकी आवृत्ति अधिक क्यों है?

बादल फटना से तात्पर्य किसी क्षेत्र विशेष में विभिन्न जलवायवीय कारकों के परिणामस्वरूप कम समय में अत्यधिक वर्षा (लगभग 100 mm/घंटा) से है।

चित्र. बादल फटना के प्रभावित क्षेत्र

प्रभाव

भौतिक क्षति → 1) सड़क, रेल्वे जैसी अवसंरचना का प्रभावित होना।
2) मकानों, भवनों की क्षति।

मानवीय क्षति - 1) बड़ी संख्या में मनुष्यों का हताहत होना।
2) अत्यधिक बारिश के कारण आई बाढ़ से महामारी।

पर्यावरणीय :- बादल फटने के कारण भूस्खलन व बाढ़ जैसी आपदाएँ आती हैं जैसे 2013 की उत्तराखंड आपदा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आर्थिक क्षति

→ कृषि क्षेत्र में फसलों को नुकसान।

→ रोजगार पर नकारात्मक प्रभाव।

हिमालय क्षेत्र में अधिक आवृत्ति के कारण

→ ऊँचाई - हिमालय की ऊँचाई अधिक होने के कारण यहाँ तापमान कम होता है, जब आर्द्र मानसून हवाएं यहाँ पहुँचती हैं तो उनका तापमान एकाएक कम होने के कारण कम समय में अत्यधिक संघनन हो जाता है।

→ आर्द्रता - राजस्थान की ओर से आने वाली आर्द्र दक्षिण पश्चिमी मानसूनी हवाएं बीच में अवरोध न होने के कारण अत्यधिक जलवाष्प युक्त होती है, जो इस क्षेत्र में संघनित होकर अत्यधिक वर्षा करती है।

उपरोक्त कारणों के अतिरिक्त IMD द्वारा जलवायु परिवर्तन के परिणामस्वरूप क्लाउडबर्स्ट में वृद्धि की संभावना जताई गई है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. Despite its potential, there are several challenges in the implementation of the Ken-Betwa Link Project. Discuss. **(150 words) 10**

केन-बेतवा लिंक परियोजना की क्षमता के बावजूद, इसके कार्यान्वयन में अनेक चुनौतियां विद्यमान हैं। चर्चा कीजिए।

केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के अंतर्गत केन (जल आधिक्य नदी) व बेतवा (जल की कमी) को जोड़ने की परिकल्पना की गई है। बजट 2022-23 में इस प्रोजेक्ट को रूप देने प्रथक धन आवंटन व एक विशेष प्रयोज्य व्हीकल (SPV) के गठन की घोषणा की गई है।

इस परियोजना की क्षमता

* कृषि – सिंचाई की सुविधा द्वारा बुंदेलखंड क्षेत्र में कृषि उत्पादन व कृषकों को राहत।
* पेयजल – परियोजना द्वारा क्षेत्र में पेयजल की कमी का समाधान किया जा सकेगा।
* सूखे का समाधान- क्षेत्र में जलाशयों द्वारा सूखे के समाधान से आर्थिक बेहतरी की संभावना

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

## चुनौतियाँ

→ वित्त - बजट में योजना के बावजूद सही समय पर वित्त का आवंटन एक चुनौती। साथ ही यदि यह योजना असफल रहती है तो इससे सरकार को राजनैतिक दबाव झेलना होगा।

चित्र. केन-बेतवा प्रोजेक्ट

→ पर्यावरण - पन्ना राष्ट्रीय उद्यान इस प्रोजेक्ट के कारण जलमग्न हो सकता है।

→ जैव विविधता - नदी जोड़ने के कारण इन नदियों के पारितंत्र में परिवर्तन से जैव विविधता को नुकसान की संभावना।

→ विस्थापन - बड़ी संख्या में लोगों के विस्थापन के कारण योजना के औचित्य पर सवाल।

**सुझाव** → सामाजिक प्रभाव आकलन व पर्यावरण प्रभाव आकलन (EIA) द्वारा सामाजिक व पर्यावरणीय लागत न्यूनतम करना।

→ समय पर वित्त का आवंटन करना।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. Identify the issues related to production and supply of coal in India. How can these issues be addressed? (150 words) 10
भारत में कोयले के उत्पादन और आपूर्ति से संबंधित मुद्दों की पहचान कीजिए। इन मुद्दों का समाधान किस प्रकार किया जा सकता है?

भारत विश्व में कोयले का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक, उपभोक्ता व आयातक राष्ट्र है। कोयला भारत की ऊर्जा आवश्यकता के ~~केवल~~ लगभग दो तिहाई भाग की पूर्ति करता है जिसमें थर्मल पावर प्लांट में उपयोग होने वाला कोयला प्रमुख है।

कोयले के उत्पादन संबंधी मुद्दे

→ कोयला उत्पादन में कोल इंडिया लिमिटेड (PSU) का एकाधिकार होने के कारण प्रतिस्पर्धा न होना।
→ कोयला उत्पादन में पुरानी तकनीकि का उपयोग।
→ कई क्षेत्रों में अत्याधिक कोयला खनन के कारण अब ये खदानें लाभकारी नहीं।
→ कोल घोटाले के बाद आवंटन रद्द होने के बाद से निजी क्षेत्र में उदासीनता।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

**आपूर्ति संबंधी मुद्दे**

→ अवसंरचना - खनन स्थलों को उद्योगों से जोड़ने वाली व्यवस्थित सड़कों, रेल अवसंरचना की कमी।

→ कई औद्योगिक स्थलों के खनन क्षेत्रों से अत्यधिक दूर होने के कारण परिवहन लागत का अत्यधिक होना। जिस कारण ये क्षेत्र आयातित कोयले को वरीयता देते हैं, जैसे विशाखापट्टनम का स्टील उद्योग।

**सुझाव**

→ खनन क्षेत्र में निजी क्षेत्र को बढ़ावा देना।

→ नई तकनीकों के लिए विदेशी राष्ट्रों से सहयोग।

→ सुदृढ़ अवसंरचना हेतु प्रयास तीव्र करना।

**सरकार द्वारा प्रयास**

→ शक्ति पोर्टल द्वारा कोयला आवंटन में पारदर्शिता।

→ स्वचालित रूप से 100% FDI की अनुमति।

→ नई कोयला आवंटन प्रक्रिया।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. Present the geographical distribution of agro-based industries in India and discuss the challenges faced by them. **(150 words) 10**
भारत में कृषि-आधारित उद्योगों के भौगोलिक वितरण को प्रस्तुत कीजिए और उनके समक्ष आने वाली चुनौतियों की विवेचना कीजिए।

भारत एक कृषि प्रधान राष्ट्र है। वर्तमान में भारत खाद्यान्न उत्पादन में विश्व में द्वितीय, कपास उत्पादन में द्वितीय व केले, आम, पपीता आदि के उत्पादन में विश्व में प्रथम स्थान पर है।

भारत में कृषि आधारित उद्योगों का भौगोलिक वितरण

1) सूती वस्त्र उद्योग- कपास आधारित यह उद्योग मुख्यतः ~~अ~~ गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश में अवस्थित है। जिसका कारण इस क्षेत्र में कपास का वृहद् उत्पादन है।

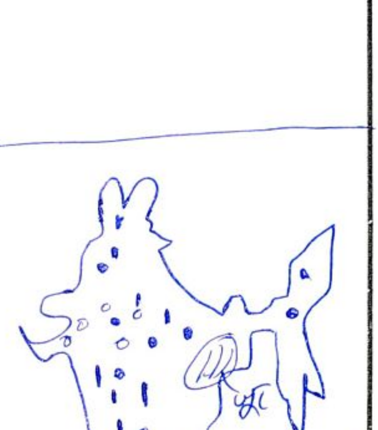

चित्र. कृषि आधारित उद्योग।

2) चीनी उद्योग (गन्ना आधारित) - पारंपरिक रूप से यह उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश जैसे

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जैसे उत्तर भारतीय राज्यों में अवस्थित था। किन्तु वर्तमान में यह दक्षिण में महाराष्ट्र, तमिलनाडु में भी विस्तृत हो रहा है।

3) जूट उद्योग- यह मुख्यतः पश्चिम बंगाल व बिहार के आर्द्र उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में अवस्थित।

4) खाद्य प्रसंस्करण उद्योग- यह मुख्यतः पश्चिमोत्तर भारतीय राज्य जैसे पंजाब, हरियाणा व पूर्वोत्तर भारत में स्थित।

चुनौतियाँ

→ बैकवर्ड लिंकेज की कमी के कारण कच्चे माल की सुचारु आपूर्ति न होना।

→ कोल्ड स्टोरेज व परिवहन अवसंरचना की कमी।

→ युवाओं में कौशल की कमी।

→ ये उद्योग मुख्यतः लघु व मध्यम के उद्योग होने के कारण वित्त की कमी।

इन चुनौतियों को दूर कर कृषि क्षेत्र में सुधार के साथ आर्थिक संवृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

# VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. The caste system continues to be one of the key drivers of poverty and inequality in India. Discuss. (150 words) 10

जाति व्यवस्था भारत में निर्धनता और असमानता के प्रमुख चालकों में से एक बनी हुई है। विवेचना कीजिए।

जाति व्यवस्था भारतीय समाज की एक विशेषता है, यह समुदायों में एक सामाजिक पदानुक्रम का निर्माण करती है एवं उनके व्यवसाय व सामाजिक बंधनों / नियमों का निर्धारण करती है।

निर्धनता एवं असमानता के कारक के रूप में जाति व्यवस्था

→ भूमि का असमान वितरण - सामान्यतः निम्न जातियों के पास भूमि की सीमित उपलब्धता होती है। जिससे कारण इनकी कृषि संबंधी निवेश क्षमता एवं कृषि आय कम होती है।

→ विकल्पों की कमी - प्राचीन समय से जाति प्रथा के नाम पर व्यवसायों को निश्चित कर दिये जाने के कारण वर्तमान में इन समुदायों

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

के पास पूंजी की कमी है, जो इनकी आर्थिक गतिशीलता को प्रतिबंधित करते हैं।

→ शिक्षा- साक्षरता दर सामान्य वर्गों से कम होने के कारण रोजगार के अवसर उपलब्ध नहीं।

साथ ही अधिकतर निचली जाति के बच्चे सरकारी विद्यालयों में निम्न गुणवत्ता की शिक्षा ग्रहण करते हैं। जो उनके भविष्य में सफलता की संभावना को क्षीण करता है।

→ ~~स्वास्थ्य~~

सरकार द्वारा प्रयास

→ स्टैंड अप इंडिया पहल।

→ मनरेगा एवं आयुष्मान भारत योजना।

→ मुद्रा योजना।

→ एकलव्य आवासीय कॉलेजों की स्थापना।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

**9.** Discuss the issues faced by domestic workers in India. Also suggest measures that can be taken to empower them. **(150 words) 10**

भारत में घरेलू कामगारों द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं की विवेचना कीजिए। साथ ही, उन्हें सशक्त बनाने हेतु किये जा सकने वाले उपायों का भी सुझाव दीजिए।

घरेलू कामगार घर के दैनिक कार्यों से संबंधित कर्मचारी होते हैं। जैसे पोधा लगाने वाले सहायक, बच्चों की देखभाल के लिए बेनी।

**समस्याएं**

- औपचारिक पंजीकरण न होने के कारण शारीरिक शोषण।
- लिखित समझौता न होने के कारण कार्य एवं वेतन की सुरक्षा नहीं।
- मानव तस्करी के द्वारा लाये गये लोगों से कम मजदूरी पर कार्य करवाना।
- साप्ताहिक छुट्टी की व्यवस्था न होना।
- मालिकों के विरुद्ध शिकायत हेतु विधिक विकल्प का न होना।
- घरेलू कर्मियों में जागरुकता की कमी।

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सशक्त करने हेतु उपाय

→ पंजीकरण - सभी घरेलू कामगारों का अनिवार्य पंजीकरण किया जाना चाहिए। जिससे पुलिस के पास इनका डाटाबेस हो।

→ संगठित करना - इन कामगारों को संगठन के माध्यम से अपनी सेवाएँ प्रदान करनी चाहिए। इससे इनकी सौदेबाजी क्षमता में वृद्धि से उचित वेतन सुनिश्चित होगा। साथ ही मालिक द्वारा शोषण होने पर संगठित रूप से विरोध किया जा सकता है।

→ विधिक मान्यता - कारखानों के मजदूरों की तरह इन्हें भी विधिक मान्यता दी जानी चाहिए।

→ कौशल प्रशिक्षण व ऑनलाइन माध्यमों से साक्षरता में वृद्धि।

इन उपायों से इनके मानवाधिकारों की रक्षा हो सकेगी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Given the deeply gendered impact of population control measures, examine the need to rethink the current approach of population control measures in India. **(150 words) 10**

जनसंख्या नियंत्रण संबंधी उपायों के गहन लैंगिक प्रभाव को देखते हुए, भारत में जनसंख्या नियंत्रण उपायों के वर्तमान दृष्टिकोण पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता का परीक्षण कीजिए।

भारत वर्तमान में विश्व का दूसरा सर्वाधिक जनसंख्या वाला राष्ट्र है। इस संदर्भ में राष्ट्र की जनसंख्या नियंत्रण हेतु सरकार द्वारा निरंतर उपाय किये जा रहे हैं।

जनसंख्या नियंत्रण उपायों का लैंगिक प्रभाव-

1) प्राकृतिक प्रभाव- प्राकृतिक रूप से जन्म लेने वाले बच्चों में लड़कों की संख्या अधिक होती है, इस कारण जनसंख्या नियंत्रण का लिंगानुपात पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

2) ~~लड़कों~~ पुत्र प्राप्ति की इच्छा- जनसंख्या नियंत्रण पर जोर देने से अभिभावक भ्रूण हत्या के द्वारा कम बच्चों में लड़कों को प्राथमिकता

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

से प्रेरित हो सकते हैं।

→ सामान्यतः जनसंख्या नियंत्रण हेतु महिलाओं के ऑपरेशन को प्राथमिकता दी जाती है।

इसी संदर्भ में जनसंख्या नियंत्रण उपायों पर पुनर्विचार की मांग की जा रही है। इस संबंध में निम्न उपाय किये जाने चाहिए-

1) महिला साक्षरता- इसे बढ़ावा मिलने से महिला स्वयं अपने स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जागरूक निर्णय ले सकेगी।

2) जनसंख्या नियंत्रण उपायों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से सहयोग किया जाना चाहिए।

इस प्रकार जनसंख्या नियंत्रण हेतु स्वैच्छिक उपायों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. Examine the impact of the Sramana tradition on the Vedic religion and its relation with the emergence of Jainism, Buddhism and Ajivika sects.
**(250 words) 15**

श्रमण परंपरा के वैदिक धर्म पर प्रभाव और जैन, बौद्ध तथा आजीवक संप्रदायों के उद्भव के साथ इसके संबंध का परीक्षण कीजिए।

भारतीय दर्शन में श्रमण परंपरा के अंतर्गत दार्शनिकों व तपस्वियों द्वारा कठोर तप व ध्यान के द्वारा आध्यात्मिक उद्देश्यों के लिए प्रयास किये गये। भारतीय श्रमण परंपरा के अंतर्गत बौद्ध, जैन व ~~आजीव~~ आजीवक संप्रदाय आते हैं।

वैदिक धर्म पर प्रभाव

→ कुरीतियों पर – इन दार्शनिकों ने हिंदू ब्राह्मण धर्म की कुरीतियों पर कटाक्ष कर सुधार हेतु प्रेरणा दी।

→ वैदिक धर्म में कर्मकाण्डों पर अत्यधिक ध्यान देने की आलोचना की।

→ संस्कृत वर्चस्व के द्वारा ब्राह्मणों के अन्य

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

वर्णों पर महत्व देने की आलोचना की।

→ बड़ी संख्या में वैश्य, शूद्रों व महिलाओं द्वारा नये धर्मों को अंगीकार करने के कारण वैदिक धर्म में भी वर्णाश्रम व्यवस्था में कुछ शिथिलता लाई गई।

श्रमण परंपरा व बौद्ध धर्म का उदय

→ गौतम बुद्ध द्वारा बिना कर्मकाण्ड सरल प्रयासों से मोक्ष प्राप्ति का मार्ग सुझाया गया।

→ बौद्ध परंपरा के अंतर्गत कर्मकाण्डों की जगह ज्ञान पर जोर दिया गया।

→ बौद्ध धर्म द्वारा सभी वर्णों से समानता का व्यवहार किये जाने के कारण लोकप्रियता में वृद्धि।

→ सामान्य जन की भाषा ~~प्राकृत~~ पालि में उपदेश।

→ महिलाओं को भी मठ में / संघ में शामिल होने की छूट।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**जैन धर्म का उदय**

→ महावीर द्वारा जैन धर्म को पुनः प्रतिष्ठा दिलाई गई।

→ महावीर ने सामान्य जन की भाषा प्राकृत में उपदेश दिये।

→ ब्राह्मणों के वर्चस्व को मानने से इंकार।

→ क्षत्रिय व वैश्य वर्ग द्वारा संरक्षण। जैसे चंद्रगुप्त मौर्य, खारवेल द्वारा।

**आजीवक संप्रदाय का उदय**

→ ये पूर्णतः नियतिवादी होने के कारण कर्मकांडों को महत्व नहीं देते।

→ इन्होंने भी वर्ण-व्यवस्था की आलोचना की।

→ अशोक द्वारा बराबर गुफा का निर्माण।

इस प्रकार श्रमण परंपरा के द्वारा वैदिक धर्म को चुनौती मिली, जिसने नये धर्मों का मार्ग प्रशस्त किया।

# VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. Shed light on the use of symbols and symbolic language by Mahatma Gandhi for both, integrating masses into the National Movement and against social evils. (250 words) 15

महात्मा गांधी द्वारा राष्ट्रीय आंदोलन में जनता को लामबद्ध करने हेतु और सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध, दोनों के लिए किए गए प्रतीकों और प्रतीकात्मक भाषा के उपयोग पर प्रकाश डालिए।

महात्मा गांधी ने कांग्रेस में शामिल होकर अपने नये प्रयासों से राष्ट्रीय आंदोलन को नई दिशा दी। उन्होंने कांग्रेस को एक मध्यवर्गीय संस्था से सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था में परिवर्तित कर दिया।

इसके लिए उन्होंने जनता को जोड़ने राजनीतिक आंदोलनों को समाज सुधार कार्यक्रमों से जोड़ दिया।

जनता को राष्ट्रीय आंदोलन में लामबंद करने
प्रतीक व प्रतीकात्मक भाषा

→ चरखा - उन्होंने चरखे के माध्यम से एक आम खादी पहनने वाले व्यक्ति को भी राजनीतिक ~~चेतनी~~ चेतना दी।

साथ ही यह महिलाओं को

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भी राष्ट्रीय आंदोलन से जोड़ने में कामयाब रहा।

→ साधारण वेशभूषा – गांधी ने ग्रामीण जनता से स्वयं को जोड़ने के लिए बदन पर केवल साधारण कपड़ा ढकने की प्रतिज्ञा की।

→ भारत छोड़ो का नारा – 1942 में महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो का नारा देकर जनता को विद्रोह के लिये आह्वान किया। परिणामस्वरूप कांग्रेसी नेताओं को बंदी बना लिये जाने के बावजूद जनता ने भारत-छोड़ो आंदोलन को जारी रखा।

सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध प्रतीक व प्रतीकात्मक भाषा

→ शौचालय साफ करना – इसके द्वारा उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति के श्रम को महत्व देने व समानता के विचार को आगे बढ़ाया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ चरखा ~~आंदोलन~~ का उपयोग - उन्होंने स्वयं व अन्य पुरुषों को चरखा द्वारा सूत कातने के कार्य द्वारा सामान्यतः महिलाओं के कार्य समझे जाने वाले सूत कातने के कार्य को महत्व दिया व समानता का आधार रखा।

→ बिहार में भूकंप - गांधी ने बिहार में आए भूकंप को हिंदू धर्म में अस्पृश्यता का परिणाम बताया। जिससे ~~अपन~~ अनपढ़ व्यक्ति भी छुआछूत की कुरीति से दूर हो जाये।

इस प्रकार महात्मा गांधी ने विभिन्न प्रतीकों व प्रतीकात्मक भाषा का प्रयोग लक्ष्य प्राप्ति के लिए किया।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

**13.** Giving a brief overview of the three Carnatic Wars, discuss the factors that led to the success of the British against the French in the struggle for control over India. **(250 words) 15**

तीन कर्नाटक युद्धों का संक्षिप्त विवरण देते हुए, उन कारकों पर चर्चा कीजिए जिनके कारण भारत पर नियंत्रण के लिए संघर्ष में फ्रांसीसियों के विरुद्ध अंग्रेजों को सफलता प्राप्त हुई।

कर्नाटक के तीन युद्ध विभिन्न कारणों से अंग्रेजों व फ्रांसीसी सेना के विरुद्ध लड़े गये। इन युद्धों में जीत ने अंग्रेजों को भारत में साम्राज्य का आधार बनाने में मदद की।

तीन कर्नाटक युद्ध

प्रथम युद्ध– प्रथम कर्नाटक युद्ध 1746-48 के मध्य ऑस्ट्रिया में उत्तराधिकार के मुद्दे पर यूरोप में ब्रिटेन व फ्रांस के मध्य टकराव का भारत में विस्तार था। युद्ध में लगभग दोनों सेनाएं बराबरी पर रहीं।

द्वितीय युद्ध– द्वितीय युद्ध हैदराबाद व कर्नाटक में उत्तराधिकार के मुद्दे के कारण हुआ। दोनो ही पक्षों ने उत्तराधिकार

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

के संबंध में अलग- अलग पक्षों को समर्थन दिया।

युद्ध में शुरुआत में फ्रांस को बढ़त (डूप्ले के नेतृत्व में) मिली, किंतु अंततः युद्ध बराबरी पर समाप्त हुआ।

तृतीय युद्ध - यह युद्ध ब्रिटेन व फ्रांस के मध्य सप्तवर्षीय युद्ध के परिणामस्वरूप हुआ। इस युद्ध में फ्रांस की निर्णायक पराजय हुई, जिससे भारत में ब्रिटिश वर्चस्व का मार्ग प्रशस्त किया।

अंग्रेजों की जीत के कारण

1) योग्य नेतृत्व - क्लाइव जैसे योग्य नेतृत्व ने अंग्रेजों की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2) नौसैन्य सर्वोच्चता - ब्रिटेन नौसैन्य रूप से फ्रांस से शक्तिशाली था जिस कारण उसे समय पर सहायता मिली।

3) डूप्ले को वापस बुलाना - फ्रांस द्वारा परम नेतृत्वकर्ता डूप्ले को वापस बुलाना, फ्रांस की राजनीतिक भूल माना जाता है।

4) फ्रांस में अस्थिरता - युद्धों के दौरान फ्रांस में राजनीतिक अस्थिरता थी वहीं ब्रिटेन राजनीतिक रूप से स्थिर था।

5) कंपनी की स्वायत्ता - ईस्ट इंडिया कंपनी एक निजी कंपनी थी वहीं फ्रांसीसी कंपनी पर सरकार का प्रभाव था। जिस कारण अंग्रेजों को स्वतंत्र निर्णय लेने में मदद।

उपरोक्त कारणों ने फ्रांस को भारत में प्रतिस्पर्धा से बाहर कर दिया व अंग्रेज सर्वोच्च शक्ति बन गए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

**14.** Provide an account of the issues that led to a crisis in Punjab in the 1980s. Also, discuss the roadmap to peace that was eventually adopted.
**(250 words) 15**

1980 के दशक में पंजाब में संकट उत्पन्न करने वाले मुद्दों का विवरण प्रस्तुत कीजिए। साथ ही, शांति स्थापना की उस रूपरेखा पर चर्चा कीजिए जिसे अंततः अपनाया गया था।

1980 के दशक का पंजाब संकट

आजाद भारत में पृथकतावाद का प्रथम सबसे बड़ा संकट था। इस दौरान खालिस्तानी चरमपंथियों के नेतृत्व में भारत से पंजाब को अलग करने का प्रयास किया गया।

पंजाब संकट संबंधी मुद्दे

1) जरनैल सिंह भिंडरावाले को बढ़ावा -
जरनैल सिंह भिंडरावाला एक सिख-चरमपंथी नेता था। इसे राजनीतिक तुष्टीकरण की नीति के अंतर्गत विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा महत्व दिया गया।

2) खालिस्तानी भावना का प्रसार
खालिस्तानी चरमपंथी समूहों द्वारा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

युवाओं को भारत के विरुद्ध भड़काया गया।

3) छद्मप्रचार - पंजाब संकट के दौरान हिंदू व सिख धर्मों के मध्य तनाव उत्पन्न किया गया। इसके कारण दोनों ही समूहों में आपसी संदेह की भावना जाग्रत हुई।

4) पाकिस्तान की भूमिका - कई जाँचों में यह खुलासा हुआ है कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी (ISI) द्वारा इन समूहों को धन व हथियार मुहैया कराया गया।

शांति स्थापना की रूपरेखा

1) ऑपरेशन ब्लूस्टार - ऑपरेशन ब्लूस्टार द्वारा स्वर्ण मंदिर (अमृतसर) पर कब्जा किये हुए चरमपंथियों को खत्म किया गया।

2) आपातकाल - पंजाब में एक दशक तक आपातकाल के माध्यम से ~~एक~~ शांति

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

स्थापना में मदद मिली।

3) राजीव गांधी व लोंगोवाल समझौता- 1985 में इस समझौते के माध्यम से राज्य में शांति स्थापना में मदद मिली।

4) सांप्रदायिक सद्भाव- राज्य में राजनीतिक दलों द्वारा सांप्रदायिक सद्भावना के निर्माण का सक्रिय प्रयास किया गया।

इस प्रकार राजनीतिक इच्छाशक्ति व लोगों व विभिन्न समुदायों के मध्य परस्पर सहयोग के माध्यम से पंजाब संकट का समाधान किया गया।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. Give a brief account of the distribution of installed capacity of solar power in India. Highlighting the challenges in proper utilisation of solar energy, mention the steps taken by the government to promote it in India. **(250words) 15**

भारत में सौर ऊर्जा की संस्थापित क्षमता के वितरण का संक्षिप्त विवरण दीजिए। सौर ऊर्जा के उचित उपयोग में विद्यमान चुनौतियों को रेखांकित करते हुए, भारत में इसे बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का उल्लेख कीजिए।

भारत वर्तमान में विश्व में सौर ऊर्जा की संस्थापित क्षमता में पाँचवे स्थान पर है। भारत के पेरिस समझौते के NDC लक्ष्यों की पूर्ति में महत्व को देखते हुए सरकार द्वारा निरंतर सौर-ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि का प्रयास किया जा रहा है।

**वितरण**

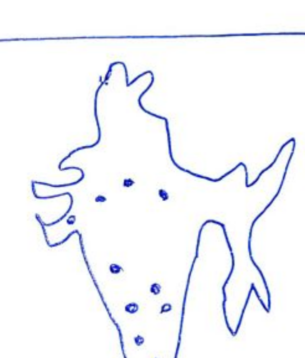

चित्र. भारत में सौर ऊर्जा।

वर्तमान में भारत में सौर ऊर्जा मुख्यतः दक्षिणी राज्यों जैसे आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना एवं मध्य भारत में मध्यप्रदेश व ~~छत्त~~ उत्तरप्रदेश व राजस्थान क्षेत्रों में केंद्रित है।

इसका कारण दक्षिणी क्षेत्रों के

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भूमध्यरेखा के निकट होने के कारण अधिक सूर्यातप एवं सरकारी नीतियाँ हैं।

चुनौतियाँ

→ आयात निर्भरता - वर्तमान में भारत सौर पैनल के सौर माड्यूल के 80% भाग के लिए चीन पर निर्भर।

→ तकनीक - वर्तमान में सोलर पैनल की निर्माण की कई नई तकनीकें (जैसे फ्लेक्सिबल व ट्रांसपेरेंट सोलर पैनल) विकसित देशों तक सीमित हैं।

→ बादल - बादलों के कारण सौर ऊर्जा निर्माण में बाधा पहुँचती है, जिसके कारण लोग हतोत्साहित होते हैं।

→ जागरूकता - अभी भी लोग सोलर रूफटॉप जैसी तकनीकों के प्रति अनभिज्ञ एवं उदासीन हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ जगह की कमी - बड़े क्षेत्र में सोलर-पैनल निर्माण के द्वारा सस्ती सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए क्षमि की कमी है।

सरकारी प्रयास

→ राष्ट्रीय सौर मिशन।
→ सोलर पार्क योजना।
→ जगह की कमी को देखते हुए फ्लोटिंग सोलर पार्क का निर्माण जैसे मप्र में ओंकारेश्वर में।
→ सोलर रूफटाप योजना के अंतर्गत सब्सिडी
→ ग्रीन ड्रेड मार्केट का निर्माण।
→ नवीकरणीय ऊर्जा सर्टिफिकेट योजना एवं नवीकरणीय ऊर्जा खरीद दायित्व।

इन प्रयासों की सफलता भारत के सौर ऊर्जा उत्पादन के अग्रणी बनाने संधारणीय विकास व ऊर्जा सुरक्षा (SDG 7) में मददगार होगी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**16.** Post-drift theories based on ocean floor mapping provided new dimensions to the study of distribution of oceans and continents. Elaborate.
**(250 words) 15**

महासागरीय-अधस्तल के मानचित्रण पर आधारित उत्तरवर्ती प्रवाह सिद्धांत ने महासागरों और महाद्वीपों के वितरण के अध्ययन को नए आयाम प्रदान किए हैं। सविस्तार वर्णन कीजिए।

विश्व में महाद्वीपों व महासागरों के वितरण के संदर्भ में प्रथम विश्व युद्ध के दौरान व उसके पश्चात् पनडुब्बियों के उपयोग ने महत्वपूर्ण योगदान किया।

इस दौरान पनडुब्बियों की मदद से 1920 व 30 के दशक में महासागरीय अधस्तल का मानचित्रीकरण किया गया। इसके आधार पर उत्तरवर्ती प्रवाह सिद्धांत की उत्पत्ति हुई।

विशेषता

1) आर्थर होम्स की संवहनीय धारा सिद्धांत-
इस सिद्धांत के अनुसार मैंटल में प्रवाह संवहनीय धारा की उत्पत्ति होती

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

है। जिसके कारण प्लेटों का संचलन होता है।

2) सागर नितल प्रसार - हैरी हेस द्वारा 1961 में इस अवधारणा के माध्यम से ~~सभी~~ महाद्वीपीय व महासागरीय प्लेटों के पृथक होने ~~के भाग~~ को चिन्हित किया गया। इसके अनुसार मध्य-महासागरीय कटक से मैग्मा का उद्गार होता है, जो दोनों ओर विस्तारित होता है। इसी कारण महासागरीय प्लेट की उम्र कम होती है, साथ ही महाद्वीपीय प्लेट हल्की होने के कारण महासागरीय प्लेट के ऊपर तैरती है।

3) मोर्गन का प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत - यह प्लेट विवर्तनिकी का सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत है, इसने पूर्व के सभी सिद्धांतों को समाहित कर एकीकृत

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

सिद्धांत (डिया)

इसके अनुसार स्थलमंडल महासागरीय व महाद्वीपीय प्लेटों में विभाजित है। ये प्लेटें दुर्बलतामंडल के ऊपर गति करती हैं। जब ये प्लेटें आपस में टकराती हैं, तो उनकी गति की दिशा के अनुरूप स्थलखंड निर्मित होता है।

जैसे अभिसारी प्लेट पर एक महासागरीय/महाद्वीपीय प्लेट इसकी महाद्वीपीय प्लेट के नीचे अभिसारित होने पर पर्वत का निर्माण होता है जैसे हिमालय पर्वत, एंडीज पर्वत।

इस प्रकार प्लेट विवर्तनिकी ने भूगोल की कुछ सबसे महत्वपूर्ण प्रश्नों की तार्किक व्याख्या की।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. Explain the phenomenon of heat waves. Also, enumerate the conditions favourable for the development of heat waves in India and their associated health impacts. (250 words) 15

हीट वेव्स की परिघटना की व्याख्या कीजिए। साथ ही, भारत में हीट वेव्स के विकास के लिए अनुकूल परिस्थितियों और उनसे संबद्ध स्वास्थ्य प्रभावों को सूचीबद्ध कीजिए।

हीटवेव्स अत्यधिक गर्म व शुष्क पवनें हैं जो मानव शरीर को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती हैं। इसके अंतर्गत जब किसी क्षेत्र का तापमान सामान्य से 4.5°C से 6.4°C बढ़ जाता है तो उसे हीटवेव्स प्रभावित क्षेत्र माना जाता है।

**व्याख्या**

हीटवेव्स सामान्यतः ग्रीष्म ऋतु में उत्तरी गोलार्द्ध में उत्पन्न होती है। इस समय सूर्य उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में अवस्थित होता है। जिस कारण उत्तरी गोलार्द्ध अधिक सूर्यातप प्राप्त करता है। जिससे वायुमंडल गर्म हो जाता है।

इसी समय जब ऊपरी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

वायुमंडल में उच्च वायुदाब उत्पन्न होता है तो यह वायुमंडल में ऊष्मा के संवहन को रोक देता है, ~~तथा~~ जिस कारण धरातल पर हीटवेव्स का प्रभाव बढ़ जाता है।

भारत में हीटवेव की अनुकूल परिस्थितियाँ

1) ग्रीष्म ऋतु में तापमान में अत्यधिक वृद्धि।

2) जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लोबल वार्मिंग के कारण भारत का तापमान सामान्य से लगभग 1°C बढ़ चुका है।

3) उत्तरी भारत में महाद्वीपीयता का प्रभाव।

4) उत्तरी भारत की समुद्र से ~~[illegible]~~ दूरी।

5) जलवायु परिवर्तन/ ~~ला-नीना~~ एल-नीनो के कारण

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मानसून में देरी / कमी होना।

6) पश्चिमी विक्षोभ में देरी या पश्चिमी विक्षोभ में कमी।

स्वास्थ्य पर प्रभाव

→ उत्पादकता में कमी।

→ अत्यधिक गर्मी के कारण शरीर का निर्जलीकरण व ब्रेन मृत्यु का कारण।

→ सिरदर्द, चक्कर आना।

वर्तमान में हीटवेव के साथ आर्द्र जलवायु की स्थिति उत्पन्न हो रही है जो शरीर के लिए हीटवेव से अधिक घातक।

इसलिए सरकार को ग्लोबल वार्मिंग को रोकने व हीटवेव के प्रभाव को कम करने के प्रयास तीव्र करने चाहिए जैसे वृक्षारोपण को बढ़ावा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)



**18.** Providing an account of distribution of rainforests across the world, mention their key characteristics. Also highlight the threats that are being faced by tropical rainforests. **(250 words) 15**

विश्व भर में वर्षावनों के वितरण का विवरण प्रस्तुत करते हुए, उनकी प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। साथ ही, उष्णकटिबंधीय वर्षावनों द्वारा सामना किए जा रहे खतरों को भी रेखांकित कीजिए।

वर्षावन ऐसे क्षेत्र होते हैं जहाँ सामान्यतः वर्षभर वर्षा के कारण अत्यधिक घने जंगलों का निर्माण होता है।

वर्षावन मुख्यतः भूमध्यरेखीय क्षेत्र में पाये जाते हैं। क्योंकि यहाँ वर्षभर संवहनीय वर्षा होती है।

**वितरण**

1) ब्राजील के वर्षावन - इन्हें पृथ्वी के फेफड़े भी कहा जाता है। ये अत्यधिक घने वन पूरे विश्व की जलवायु को प्रभावित करते हैं।

2) इंडोनेशिया के वर्षावन - ये वर्षावन कुछ

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

विलुप्तप्राय जीवों के आश्रय स्थल हैं जैसे ओरांगुटान बंदर।

3) अफ्रीका में वर्षावन।

खतरे

1) दोहन - राष्ट्रों द्वारा आर्थिक संवृद्धि के लिए निरंतर वनों को काटा जा रहा है जैसे ब्राजील में सरकार आर्थिक संवृद्धि के नाम पर अमेजन वर्षा वनों को साफ करने पर जोर दे रही है।

2) कृषि - कई समुदायों द्वारा कृषि हेतु वन क्षेत्रों का अतिक्रमण।

3) वनाग्नि - वनाग्नि के कारण क्षेत्र के पेड़ों एवं जैव विविधता का नुकसान।

4) जलवायु परिवर्तन - जलवायु परिवर्तन के कारण इन क्षेत्रों में वर्षा की मात्रा कम

हो रही है जैसे ब्राजील में अमेजन क्षेत्र में सूखा।

**सुझाव**

→ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग द्वारा इन्हें बचाने का प्रयास करना।

→ आधुनिक कृषि के वैकल्पिक विकल्पों को अपनाना।

→ पेरिस लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास करना।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. Indian cities are not only mimicking the social and cultural structures of inequality and exclusion found in rural areas but are also creating fault lines for future conflicts. Discuss. **(250 words) 15**

भारतीय शहर न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में पाई जाने वाली असमानता और बहिष्करण की सामाजिक और सांस्कृतिक संरचनाओं की नकल कर रहे हैं, बल्कि भविष्य के संघर्षों के लिए दोषपूर्ण स्थिति का भी निर्माण कर रहे हैं। विवेचना कीजिए।

वर्तमान में भारत की जनसंख्या का 31% भाग शहरों में निवास करता है। जिसके 2030 तक 40% तक पहुँचने की संभावना है।

भारतीय शहरों में असमानता

→ रोजगार की कमी के कारण बढ़ती बेरोजगारी।
→ कम आय के कारण लोग स्लम क्षेत्रों में रहने को मजबूर।
→ शहरों में मँहगी होती शिक्षा व्यवस्था के कारण पिछड़े वर्गों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कमी।
→ महँगी स्वास्थ्य सेवाओं के कारण

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

गरीब वर्गों के स्वास्थ्य सेवाओं की अनुपलब्धता

बहिष्करण

वर्तमान में शहरों में भी जाति व धर्म के नाम पर बहिष्करण की प्रवृत्ति देखी जा रही है। जाति व धर्म के नाम पर लोगों को मकान देने से मना किया जा रहा है।

भविष्य का संघर्ष

→ पिछड़े समुदाय के युवकों ने रोष से ये जुआ, चोरी, व अन्य अपराधों के लिए प्रेरित ~~होती~~ होते हैं।

→ ये युवा बाहरी अपराध के द्वारा ~~अपनी~~ अपने साथ हुए भेदभाव का बदला

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

लोगों का इस्तेमाल करते हैं।

→ इससे सामाजिक पूंजी का पतन होता है।

**20.** Examine the multi-dimensional impact of globalisation on tribal development in India. **(250 words) 15**
भारत में जनजातीय विकास पर वैश्वीकरण के बहुआयामी प्रभाव का परीक्षण कीजिए।

भारत में जनजातीय जनसंख्या कुल जनसंख्या का 8% है जो मुख्यतः पूर्वोत्तर भारत, मध्यप्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ़ में निवास।

सकारात्मक प्रभाव

1) जागरूकता - अधिकारों के प्रति जैसे हाल ही में पारताप्ती नर्मदा प्रोजेक्ट को उनके विरोध के कारण रद्द कर दिया गया।

2) शिक्षा → साक्षरता में वृद्धि (लगभग 60%)

3) बिमारियों से मुक्ति जैसे मलेरिया उन्मूलन।

4) सामाजिक कुरीतियों में कमी।

5) पर्यावरण संरक्षण जागरूकता जैसे नागा जनजातियों में।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

नकारात्मक प्रभाव

1) कृषि भूमि की जनसंख्या द्वारा अवसंरचना के नाम पर अतिक्रमण।

2) खनन परियोजनाओं के कारण विस्थापन।

3) परंपरागत ज्ञान की निर्भरता में कमी।

4) जनजातीय संस्कृति व मूल्यों का ह्रास।

5) जनजातीय युवाओं में अपनी संस्कृति के प्रति नकारात्मक धारणा।

6) ईसाइयत के कारण धार्मिक आस्थाएं विलुप्ति की कगार पर।